वर्ष - 2023

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षा का विषय	विषय कोड	परीक्षा का माध्यम
गृह-प्रबंध	6 1 0	हिन्दी

[redacted]

पुस्तिका का क्रमांक **B-23** 3869160

परीक्षार्थी का रोल नम्बर

अंकों में

2	3	4	6	3	1	8	9	6	-

शब्दों में

दो	तीन	चार	छः	तीन	एक	आठ	नौ	छः	-

एक	एक	दो	चार	तीन	नौ	पांच	छः	आठ

परीक्षार्थी द्वारा भरा जावे

प्रश्न पत्र का सेट D

क :- परीक्षार्थी का कक्ष क्रमांक भौतिक हॉल

ख :- परीक्षा का दिनांक 18 03 2023

केन्द्र क्रमांक 461043

परीक्षा का नाम एवं परीक्षा केन्द्र क्रमांक की मुद्रा

हायर सेकण्डरी

पर्यवेक्षक का नाम एवं हस्ताक्षर

निरमा काकोडिया

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष के हस्ताक्षर

केन्द्राध्यक्ष / सहायक केन्द्राध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक द्वारा भरा जावे

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

प्रमाणित किया जाता है कि होलो क्राफ्ट स्टीकर क्षतिग्रस्त नहीं पाया गया तथा अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा

डॉ० अनिल कुमार सिंह
(उच्च० माध्यमिक शिक्षक)
परीक्षक क्र०-3212(25
शा०उ०मा०वि० ...

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।

प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक	प्राप्तांक (अंकों में)
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		

योग पूर्व पृष्ठ
MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION

न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (1.) का उत्तर

(अ) उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम बनाया गया —
उत्तर (II) 1986 में ।

(ब) विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना हुई —
उत्तर (I) 1948 में ।

(स) स्तनपान कराने वाली स्त्री को प्रतिदिन कितनी अतिरिक्त कैलोरी की आवश्यकता होती है ?
उत्तर (II) 700 कैलोरी ।

(ह) लैथिरिज्म नामक रोग होता है —
उत्तर (I) खेसरी दाल से ।

(इ) थकान के प्रकार हैं —
उत्तर (I) 2

④ + = अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATIONMADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (2) का उत्तर

(अ) जनसंख्या वृद्धि आवास समस्या का कारण है।

उत्तर => असत्य।

(ब) एक ग्राम प्रोटीन से 9 कैलोरी प्राप्त होती

उत्तर => असत्य।

(स) टाइफॉइड रोग हवा से फैलता है।

उत्तर => असत्य।

(द) बैक स्टिच को बखिया कहते हैं।

उत्तर => सत्य।

(इ) नील का प्रयोग रेशमी वस्त्र पर किया जा

उत्तर => असत्य।

(फ) कर्ष 4 के प्रकार के होते हैं।

उत्तर => असत्य।

B
S
E

प्र क्र.

प्रश्न क्रमांक – (3) का उत्तर

(अ) तंतु दो प्रकार के होते हैं।

(ब) शुष्क धुलाई मे वसा घोलक (पेट्रोल) का उपयोग करते हैं।

(स) वृद्धावस्था मे हल्का भोजन भोजन देना चाहिये।

(द) संयुक्त परिवार आकार मे बड़ा होता है।

(इ) यूनीसेफ का मुख्यालय संयुक्त राष्ट्र में हैं।

(फ) कोल्ड स्टोरेज का तापक्रम 0°F से 30°F के मध्य होता है।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न - क्रमांक - (4) का उत्तर

(अ) उपभोक्ता :-
"उपभोक्ता वे व्यक्ति होते है जो अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए "चीजे" और "सेवाए" खरीदते है।"

(ब) पोषण शिक्षा ⇒
" पोषण शिक्षा वह है जिसके अंतर्गत व्यक्ति को "पोषण सम्बन्धी" ज्ञान दिया जाता है। और आवश्यक पोषक तत्वों में सुधार लाने का प्रयास किया जाता है। स्वस्थ रहने की सलाह दी जाती है।

(स) दो रासायनिक संरक्षको के नाम -
1) सोडियम मेटा-बाई-सल्फाइड।
2) सोडियम बेंजोइट आदि।
3) नमक।
4) चीनी।

(द) भोजन विषाक्तता ⇒
भोजन में विषैले पदार्थों का सम्मिश्रण होना ही "भोजन विषाक्तता" है।

(इ) भारत में बंगाल का कांथा प्रसिद्ध है। और साहित्य, कला और संस्कृति भी प्रसिद्ध है।

BSE

पाने पूर्व पृष्ठ   पृष्ठ / के अंक   कुल अंक

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

(क) कार्य सरलीकरण ⇒ "कार्य सरलीकरण" का अभिप्राय एक ऐसी 'रूपरेखा' से है। जिसमें गृहिणी को कार्य करने का समय, व्यवस्था, विधि और सहयोग का विवरण दिया गया हो। अनुभवशील गृहिणी के लिए भले ही यह कार्य सरलीकरण लाभदायक न हो, परन्तु गृहस्थी में नया कदम रखने वाली गृहिणी के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण होता है।

प्रश्न क्रमांक – (5) का उत्तर

	(I)		(II)
(अ)	विटामिन D	–	रिकेट्स।
(ब)	वर्जित खाद्य पदार्थ	–	तंबाकू।
(स)	पाश्चुराइजेशन	–	दूध।
(द)	रेशमी वस्त्र	–	गोंद।
(इ)	उत्पाद की जानकारी	–	लेबल।

BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक (20) का उत्तर (अथवा)

(अथवा) एकल परिवार के कोई पाँच दोष निम्न है —

I) सँस्कृति मे बदलाव ।

II) भावनात्मक लगाव में कमी ।

III) सुरक्षा मे कमी ।

IV) शारीरिक रूप से अक्षम लोगो की सुविधा मे कमी ।

V) सामंजस्य में कमी ।

B
S
E

I) संस्कृति में बदलाव =>

एकल परिवार मे समय अभाव के कारण साँस्कृतिक परम्पराओं का सही ढंग से निर्वाह नही हो पाता है, जिसके कारण बच्चे मे संस्कृति मे बदलाव होने लगते है, अत: यह एकल परिवार का दोष है।

II) भावनात्मक लगाव में कमी =>

भावनात्मक लगाव भी परिवार का दोष है। दो भाईयों के परिवार कभी - कभी अलग स्थानों पर होने मे उनमें आपसी प्रेम - भावना का सही तरह से संपर्क नही हो पाता है। सगे चचेरे एवं ममेरे के बीच आपसी भेदभाव होने लगते है। इस प्रकार एकल परिवार में ~~भावना~~ भावनात्मक लगाव मे कमी होती है।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD

क्र.

(III) सुरक्षा में कमी ⇒ एकल परिवार के सदस्य में सदस्य संख्या कम होती है। आर्थिक समस्या भी नही होती है। व्यक्तिगत उन्नति के मौके काफी मिलते है। कई बार एकल परिवार के सदस्य दूसरी जगह शहरो में निवास करते है। जिसमें समय अभाव के कारण सुरक्षा में कमी जैसे - चोरी, डकैती होने लगती है। इस प्रकार एकल परिवार के दोष में सुरक्षा में कमी होने लगती है।

(IV) शारीरिक रूप से अक्षम लोगों की सुविधा में कमी ⇒ समय के अभाव के कारण घरों में विकलांगों, वृद्धजनों और बीमारी के कारण लोगों की देखभाल नही हो पाती है। यह एकल परिवार का दोष है। इससे अपंगता वाले व्यक्तियों को सुविधा नही मिल पाती है। वृद्धजनों के लिए समयपरखाना, उन्हें समय पर दवाईयाँ देने का समय नही मिल पाता है।

(V) सामंजस्य में कमी ⇒ एकल परिवार में सामंजस्य में भी कमी होती है। कभी - कभी सगे बहनों व भाइयों में समझौते करना पड़ता है। इस प्रकार समझौते की भावना में कमी होती है। कभी - कभी हमें यह समझौता तब देखने को मिलता है जब लड़कियाँ ससुराल में Adjust नही हो पाती है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – (19) का (अथवा) उत्तर

भोजन विषाक्तता –

स्वच्छता के अभाव में भोजन अनेक प्रकार से विषाक्त हो जाता है। भोजन के विषाक्तता के कारण निम्न है – जीवाणुओं के द्वारा भोजन विषाक्त –

(I) एन्जाइम।
(II) सूक्ष्मजीव – (I) खमीर (II) बैक्टीरिया
(III) फफूंद।

(I) एन्जाइम –

सभी भोज्य पदार्थों में रासायनिक तत्व विद्यमान रहते हैं यही एन्जाइम है। एन्जाइम फलों को पकाने में सहायक होता है। एन्जाइम के द्वारा फलों में रूप, रंग, गंध और स्वाद में परिवर्तन होता है। एन्जाइम एक ओर फलों को पकाने में सहायक होते हैं तो दूसरे फलों को सड़ाने का काम भी करते हैं। क्योंकि यह एक जटिल रासायनिक क्रिया होती है जो निरंतर चलती है। एन्जाइम को समाप्त करने के लिए 170°F पर गर्म करके एन्जाइम को समाप्त किया जा सकता है। एन्जाइम कम तापों पर निष्क्रिय होते हैं। इसलिए घरों में रेफ्रिजरेटर का प्रयोग करते हैं।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

सूक्ष्मजीव ⇒ सूक्ष्मजीव अत्यंत सूक्ष्म होते है जिन्हें आंखो की सहायता से नही देखा जा सकता है। सूक्ष्मजीव केवल सूक्ष्मदर्शी यंत्रों द्वारा देखा जा सकता है। सूक्ष्मजीव केवल अत्यन्त छोटे आकार के होते है। ये सभी स्थानो से पानी, वायु, मिट्टी में पाये जाते। सूक्ष्मजीव निम्न प्रकार के होते है —

1) बैक्टीरिया ⇒ ये अत्यंत छोटे तथा हानिकारक होते है। इन्हें केवल सूक्ष्मदर्शी यंत्रों द्वारा देखा जा सकता है। ये भोज्य पदार्थों में लाखों की संख्या में आक्रमण करते है। ये भोज्य में उत्पन्न होते है तो भोज्य पदार्थ में बदबू, धुंधलापन और चिपचिपाहट दिखाई देती है। बैक्टीरिया की उत्पत्ती तीव्र गति से होती है। बैक्टीरिया 20 मिनट में उत्पन्न होने लगते है। 6 घंटे में लाखों की संख्या में उत्पन्न होते है। बैक्टीरिया के बचाव — खाद्य पदार्थों को 176°F पर 30 मिनट गर्म किया जाए तो बैक्टीरिया को खत्म किया जा सकता है।

खमीर ⇒ खमीर भी अत्यन्त सूक्ष्मजीव होता है। यह हानिकारक भी होता है। इनके सेल्स हवा में विद्यमान होते है। खमीर शर्करा युक्त भोज्य पदार्थों में पाये जाते है। शर्करा, एल्कोहॉल और CO_2 में परिवर्तित हो जाते है। खमीरीकरण की क्रिया इसी के द्वारा की की जाती है। खमीरीकरण क्रिया लाभदायक भी हो सकती है। दूध से दही, और

मध्यप्रदेश

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADE

प्रश्न क्र.

डबलरोटी बनाने के लिए खमीर आवश्यक होता है, परन्तु इसकी अधिकता के कारण भी भोज्य पदार्थ खाने योग्य नही बचता है। अतः खमीर को समाप्त करने के लिए खाद्य पदार्थों मे 67% शक्कर मात्रा होने चाहिए। उससे जीवाणु मर जाते है। इसका दूसरा उपाय यह कि भोज्य पदार्थों मे खट्टास मिलाना।

(III) फफूँद ⇒

फफूँद वनस्पति वर्ग मे आता है। फफूँद सफेद रंग की होती है। यह एक तंतु के समान इसमे धागो जैसी - संरचना दिखाई देती है। इसे शाखाए मिलकर जालो का निर्माण करते है। अलग - अलग रंग के स्पोर होने के कारण अलग - अलग रंग की होती है। फफूँद जैसे - अचार में, बासी ब्रेड, मुंग बर्फी, गुलाबजामुन और सब्जियो मे कटी हुई सब्जियो मे होती है। यह ऑक्सीजन मे उत्पन्न होती है। शुद्ध वातवरण मे शीघ्र उत्पन्न होती है। ये भोज्य पदार्थों का विषाक्त करते है।

B
S
E

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्रमांक - (15) का उत्तर

कार्य सरलीकरण के तीन सिद्धान्त निम्न हैं —

1) आवश्यक समान एक साथ रखना।
2) कार्य के समय शरीर की ठीक स्थिति होना।
3) उचित उपकरणों का प्रयोग करना।

1) आवश्यक समान एक साथ रखना ⇒ गृहिणी को कार्य करते समय आवश्यक समान एक साथ रखना चाहिए। इससे गृहिणी को थकान का अनुभव नहीं होगा। कुछ गृहिणी जैसे पानी का संग्रह सही घर में रखने के बजाय दूर रखती है। इसलिए घर की व्यवस्था इस प्रकार करे कि आवश्यक समान को सही स्थान पर रखे।

2) शरीर की ठीक स्थिति होना। गृहिणी को कार्य करते समय शरीर की ठीक स्थिति होना चाहिए। कुछ महिलाएं घरों में काम करते समय झुककर या घुटने मोड़कर इस स्थिति में कार्य करती है, जिसका प्रभाव शरीर में मांसपेशियों पर पड़ता है। जिन्हें उन्हें थकान का अनुभव होता है। अतः गृहिणी को कार्य करते समय सही स्थिति अपनाना चाहिए।

3) उचित उपकरणों का प्रयोग ⇒

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL,BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRAD

प्रश्न क्र.

3) उचित उपकरणों का प्रयोग :- गृहिणी को कार्य करने के लिए उचित उपकरणों का प्रयोग करना चाहिए। इससे गृहिणी को समय एवं श्रम की बचत होती है। और उन्हें थकान का अनुभव भी नहीं होगा। जैसे — बिना मूठ वाले चाकू से सब्जी काटना और छोटी झाड़ू से कमरा बुहारने में काफी समय की बर्बादी होती है। इसलिए गृहिणी के लिए आवश्यक है कि वह उचित उपकरणों का सही प्रयोग करे।

B
S
E

प्रश्न क्रमांक - (14) का उत्तर

गर्भवती स्त्री का आहार आयोजन करते समय निम्न बातों का ध्यान रखना चाहिए —

1) गर्भाशय की भ्रूण की वृद्धि व विकास के लिए।

2) गर्भाशय, गर्भनाल व स्तन के विकास के लिए।

3) माता की साधारण पोषक पदार्थों की आवश्यकता की पूर्ति के लिए।

4) प्रसवकाल और स्तनपान कराने के लिए पदार्थों का संग्रह करने के लिए आवश्यक है।

योग पूर्व पृष्ठ

प्रश्न क्रमांक - (16) का उत्तर

उपभोक्ता के तीन अधिकार निम्न है —

I) सुरक्षा का अधिकार।
II) जानकारी का अधिकार।
III) चयन का अधिकार।
IV) सुनवाई का अधिकार।
V) उपभोक्ता शिक्षण का अधिकार।

1.) सुरक्षा का अधिकार ⇒ यह अधिकार हमें उन उत्पादनों के विरोध में सुरक्षा प्रदान करता है जिनसे हमारे माल और जान को खतरा होता है। जैसे — खाद्य सामग्री और असुरक्षित बिजली के उपकरण आदि।

2.) जानकारी का अधिकार ⇒ उचित उपकरण और सेवाओं की गुणवत्ता, माता, स्तर व मूल्य पर उचित जानकारी पाने का भोक्ता उपभोक्ता को पूर्ण अधिकार होता है।

3.) उपभोक्ता शिक्षण का अधिकार ⇒ उचित खरीद दारी उचित चुनाव आप कर सके इसलिए आपका अधिकार है कि हमें उपभोक्ता शिक्षण मिले।

कुल अंक

BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYA PRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक - (17) का उत्तर

खाद्य संरक्षण के तीन उद्देश्य निम्न है —

1) एक ही भोज्य पदार्थ को विभिन्न रूप मे प्रस्तुत करना।

2) समय की बचत।

3) ~~ब~~ पौष्टिक और संतुलित भोजन का होना।

B S E

1) एक ही भोज्य पदार्थ को विभिन्न रूप में प्रस्तुत करना —

खाद्य संरक्षण कि विभिन्न पद्धतियो द्वारा भोजन मे परिवर्तन किया जा सकता है। जैसे - विभिन्न फलो से जैम, जैली, मार्मलेड स्क्वैश और विभिन्न प्रकार के व्यंजन बनाए जाते है।

2) समय की बचत ⇒

फालतू समय मे फल और सब्जियो के संरक्षण करके रखने से उसमे समय की बचत होती है। महिलाओ द्वारा खाद्य पदार्थो का रसोई घर से बचाए समय मे भी अन्य कार्य किए जा सकते है। आधुनिक ~~तकनिक~~ तकनीक और सुरक्षित करने की विधि से रसोई घर मे दो घण्टे लगते है, जबकि सन् 1900 में ~~छः~~ रसोई घर में समय 6 घण्टे लगता है।

क्र.

(3) पौष्टिक और संतुलित भोजन की आवश्यकता ⇒

किसी भी देश के विकास और समृद्धि के लिए आवश्यक है कि वहां की जनता को संतुलित भोजन उपलब्ध हो। जैसे - दूध और फल और सब्जियां सभी मौसम मे प्राप्त नहीं होती है। खाद्य संरक्षण की विधि के द्वारा हमे दूध, फल और सब्जी सभी मौसम मे हमे प्राप्त हो जाते है।

प्रश्न क्रमांक - (6) का (अथवा)

शुष्क धुलाई मे पानी व साबुन के बदले वसा घोलक का प्रयोग किया जाता है। इसे ही शुष्क धुलाई कहते है। शुष्क धुलाई पेट्रोल से की जाती है। कभी - कभी शुष्क धुलाई वसा शोषको द्वारा भी की जाती है।

प्रश्न क्रमांक - (7) का (अथवा)

उत्तर) इलियट और मेरिल के अनुसार -

"परिवार पति - पत्नी तथा बच्चो की जैविकीय सामाजिक इकाई है।" यह सामाजिक संस्था अथवा सामाजिक समितियों द्वारा स्वीकृत संगठन भी होता है, जिससे मानवीय आवश्यकताओं की पूर्ति की जाती है।

BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्रश्न क्रमांक – (8) का उत्तर

व्यक्ति के आहार में पोषक तत्वों की अपर्याप्त होने पर जो शारीरिक और मानसिक विकृतियाँ देखी जाती है, उन्हें कुपोषण कहते है।

प्रश्न क्रमांक – (10) का (अथवा)

BSE

उत्तर डिब्बाबंदी –
टिन के डिब्बों में फलों को संरक्षण करने की विधि ही डिब्बाबंदी कहलाती है। आजकल डिब्बाबंदी (Caning) प्रचलन अधिक होने लगा है।

प्रश्न क्रमांक – (11) का (अथवा)

उत्तर) हैजा के दो लक्षण निम्न –
I) दस्त आना, शरीर से दुर्बल हो जाता है।
II) शरीर ठण्डा पड़ जाता है।

प्रश्न क्रमांक – (12) (अथवा)

प्राकृतिक तंतु जो हमे प्रकृति द्वारा प्राप्त होते है –
(I) कपास के तंतु।
(II) भेड़ों द्वारा – ऊन प्राप्त होता है, ऊन के तंतु

III) रेशम कीट आदि |

प्रश्न क्रमांक - (13) का (अथवा)

रँजक दो प्रकार के होते है —
I) प्राकृतिक रंजक |
II) संश्लेषित रंजक |

प्रश्न क्रमांक - (18) का उत्तर

(c) एफ. ए. ओ.

F.A.O → इसका पुरा नाम Food And Agriculture Organisation है|

इस संगठन का नाम आहार और कृषि संगठन है| यह संगठन हमारे लिए निम्न प्रकार से सहायक होते है| यह कुपोषण और भूख से बचाने के लिए लोगो को खाद्य सामग्री प्रदान की जाती है| यह हमारे लिए बहुत उपयोगी है इसके द्वारा लोगो को —

I) कुपोषण से संघर्ष करने की क्षमता उत्पन्न होती है|

II) खाद्य पदार्थो मे गुणात्मक रूप मे सुधार |

III) विभिन्न जैसे मत्स्यपालन, वृक्षा रोपण संरक्षण खवाईया के उद्योग मे सहायक होते है|

EDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

IV) ग्रामीण लोगों की दशा में सुधार होता है।

V) कुपोषण के लिए आवश्यक तत्व उचित पौष्टिक तत्व प्रदान किए जाते है। इस प्रकार आहार और कृषि संगठन महत्व पूर्ण सिद्ध हुआ है।

प्रश्न क्रमांक – (9) का उत्तर

पोषण शिक्षा की दूरवर्ती विधियो के नाम –

1) (टीवी) टेलीविजन के द्वारा।

2.) समाचार पत्रों के द्वारा पोषण शिक्षा प्रदान की जाती है।

3) रेडियो के द्वारा दूर-दूर स्थानों पर पोषण शिक्षा दी जाती है।

B S E